न्यायालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट,नागौर

पीठासीन अधिकारी–पीयुष समारिया, आई.ए.एस.

प्रार्थना पत्र प्रकरण संख्या– 129/2022
जी.सी.एम.एस. पोर्टल संख्या– 2022/154

प्रार्थी

आई.सी.आई.सी.आई. होम फाईनेन्स कम्पनी लिमिटेड जिसका रजिस्टर्ड कार्यालय आई.सी.आई.सी.आई. बैंक टॉवर, बान्द्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स, मुम्बई–400051 में स्थित व कार्यरत है एंव शाखा कार्यालय द्वितीय तल, राजवंश निसान बिल्डिंग के सामने, पटेल स्टेडियम बजरंग पैट्रोल पम्प के पास अजमेर रोड जयपुर 305001 प्राधिकृत अधिकारी श्री नेम सिंह

बनाम

अप्रार्थीगण

1. अल्लाबक्ष पता–76, व्यापारियों का मोहल्ला, मेडतासिटी इण्डिया राजस्थान 341510 दूसरा पता–व्यापारियों का मोहल्ला, जिला नागौर वार्ड नं.17 मेडतासिटी इण्डिया राजस्थान 341510 तीसरा पता– के.जी.एन. फ्रुट एंव सब्जी मर्चेन्ट, सब्जी मण्डी मेडतासिटी इण्डिया राजस्थान 341510
2. अब्दुल सलम पता–76, व्यापारियों का मोहल्ला, मेडतासिटी इण्डिया राजस्थान 341510 दूसरा पता–व्यापारियों का मोहल्ला, जिला नागौर वार्ड नं.17 मेडतासिटी इण्डिया राजस्थान 341510
3. ए गफर पता–76, व्यापारियों का मोहल्ला, मेडतासिटी इण्डिया राजस्थान 341510 दूसरा पता–व्यापारियों का मोहल्ला, जिला नागौर वार्ड नं.17 मेडतासिटी इण्डिया राजस्थान 341510
4. रईसा बेगम पता–76, व्यापारियों का मोहल्ला, मेडतासिटी इण्डिया राजस्थान 341510 दूसरा पता–व्यापारियों का मोहल्ला, जिला नागौर वार्ड नं.17 मेडतासिटी इण्डिया राजस्थान 341510
5. नूरी बानो पत्नी सादिक हुसैन पता–कचहरी रोड 76, व्यापारियों का मोहल्ला, मेडतासिटी 341510 दूसरा पता– वार्ड नं. 17, व्यापारियों का मोहल्ला, प्लाट नम्बर 15, मेडतासिटी 341510
6. सादिक हुसैन पुत्र अब्दुल गफ्फार पता–कचहरी रोड 76, व्यापारियों का मोहल्ला, मेडतासिटी 341510 दूसरा पता– व्यापारियों मेडतासिटी 341510 तीसरा पता– वार्ड नं. 17, व्यापारियों का मोहल्ला, प्लाट नम्बर 15, मेडतासिटी 341510
7. सलमा पत्नी अल्लाबक्ष पता– ~~पता–~~ व्यापारियों का [illegible], मेडतासिटी 341510 दूसरा [illegible] वार्ड नं. 17, व्यापारियों का मोहल्ला, प्लाट नम्बर 15, मेडतासिटी 341510

Signature Not Verified

Digitally signed by Peeyush Samariya
Date: 2023.06.08 15:28:34 IST
Reason: SelfAttested

न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट नागौर (राज.)

जिला मजिस्ट्रेट नागौर

8. सलमा बेगम पत्नी अब्दुल सलाम पता– ~~प्लाट~~ व्यापारियों का मोहल्ला, मेडतासिटी 341510 दूसरा पता– वार्ड नं. 17, व्यापारियों का मोहल्ला, प्लाट नम्बर 15, मेडतासिटी 341510

आदेश

दिनांक : 28/4/22

प्रार्थी की ओर से यह प्रार्थनापत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत पेश हुआ।

वकील प्रार्थी को सुना गया। प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों में यह कथन किया है कि प्रार्थी बैक ने अप्रार्थी/ऋणी को रूपये **10,00,000/– (अक्षरे दस लाख रूपये मात्र) दिनांक 26.12.2013 एंव 8,20,000/– (अक्षरे आठ लाख बीस हजार रूपये मात्र) दिनांक 21.06.2019 कुल 18,20,000/–(अक्षरे अठारह लाख बीस हजार रूपये मात्र)** का ऋण उपलब्ध करवाया गया। अप्रार्थीगण/ऋणी द्वारा उक्त प्राप्त ऋण की सुविधा के एवज में **सम्पति– अल्लाबक्ष शेख की सम्पत्ति जो कि वार्ड नं. 17, व्यापारियों का मोहल्ला, मेडतासिटी राजस्थान 341510 पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन व ढांचा आदि सम्पति के अभिन्न अंग है। जिसकी चारो दिशाएं :– उत्तर में– रोड, दक्षिण में– समसुदीन का मकान, पूर्व में– अब्दुल गनी का मकान, पश्चिम में– समसुदीन का मकान,** जो प्रार्थी बैक के पास ऋण अदायगी हेतु ऋणी एंव जमानतदार ने आवश्यक दस्तावेज निष्पादित किये ।

अप्रार्थीगण/ऋणी ने उपलब्ध ऋण का बैक के नियमानुसार भुगतान नही चुकाया। जिसकी वजह से उक्त खाते को **दिनांक 23.03.2021** को एन.पी.ए. घोषित कर दिया गया व अप्रार्थी/ऋणी के ऋण खाते में **8,82,789/– (अक्षरे आठ लाख बयासी हजार सात सौ नवासी रूपये) एंव 9,28,941/– (अक्षरे नौ लाख अठाईस हजार नौ सौ इकतालीस रूपये) कुल रूपये 18,11,730/–(अक्षरे अठारह लाख ग्यारह हजार सात सौ तीस रूपये मात्र) दिनांक 24.05.2021 तक व आगे का ब्याज व खर्चे आदि सहित राशि** बकाया निकलते है।

उक्त ऋण खाते में ऋणी द्वारा नियमानुसार भुगतान नहीं करने पर एन.पी.ए. घोषित होने के बाद एक्ट की धारा 13 (2) के अन्तर्गत प्रार्थी बैक ने ऋणी/अप्रार्थी को **दिनांक 28.05.2021** को रजिस्टर्ड नोटिस दिये गये एंव उक्त नोटिस का अखबारों में प्रकाशन करवाया गया परन्तु इसके पश्चात भी अप्रार्थीगण द्वारा ऋण राशि जमा नहीं करवायी गई व न बंधक शुदा सम्पति सम्पूर्ण कब्जा प्रार्थी बैक को दिया गया। ऋणी को उपरोक्त नोटिस के अनुसार 60 दिन के अन्दर–अन्दर ऋण **8,82,789/– (अक्षरे आठ लाख बयासी हजार सात सौ नवासी रूपये) एंव 9,28,941/– (अक्षरे नौ लाख अठाईस हजार नौ सौ इकतालीस रूपये) कुल रूपये 18,11,730/–(अक्षरे अठारह लाख ग्यारह हजार सात सौ तीस रूपये मात्र) दिनांक 24.05.2021 तक व आगे का ब्याज व खर्चे आदि सहित राशि** को जमा कराना था, परन्तु ऋणी/अप्रार्थीगण ने उपरोक्त नोटिस के अनुसार ऋण राशि जमा नहीं करवाई, के कारण एक्ट की धारा 13 (4) के अन्तर्गत कार्यवाही करना आवश्यक हो गया है।

एक्ट की धारा 14 (1) के अन्तर्गत प्रार्थी बैक को बंधक सम्पति का ऋणी एवं जमानतियों से कब्जा लेने में सहायता आवश्यकता है, के कारण प्रार्थी बैक ने जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष बैक सिक्योरिटीज एवं सिक्योरिटीज से संबंधित डोक्यूमेन्ट का ऋणी/जमानती से कब्जा लेकर प्रार्थी बैक को कब्जा दिलवाने के लिये प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है।

बैक सिक्योरिटीज सम्पति का विवरण :– **अल्लाबक्ष शेख की सम्पत्ति जो कि वार्ड नं. 17, व्यापारियों का मोहल्ला, मेडतासिटी राजस्थान 341510 पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन व ढांचा आदि सम्पति के अभिन्न अंग है। जिसकी चारो दिशाएं :– उत्तर में– रोड, दक्षिण में– समसुदीन का मकान, पूर्व में– अब्दुल गनी का मकान, पश्चिम में– समसुदीन का मकान,** का कब्जा लेना है।

अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र की स्वीकार [illegible] पत्र में वर्णित सम्पत्ति का कब्जा संबंधित डौक्यूमेन्टस का कब्जा एक्ट की धारा 14 के अन्तर्गत [illegible] अप्रार्थीगण से प्रार्थी बैक को कब्जा दिलाने का आदेश जारी करने हेतु निवेदन किया है।

पत्रावली का अवलोकन किया गया। [illegible] से स्पष्ट है कि ऋणी/अप्रार्थीगण ने प्रार्थी बैक से **10,00,000/– (अक्षरे दस लाख रूपये मात्र) दिनांक 26.12.2013 एंव 8,20,000/–(अक्षरे आठ लाख बीस हजार रूपये मात्र) दिनांक 21.06.2019 कुल 18,20,000/–(अक्षरे अठारह लाख बीस हजार रूपये मात्र)** को प्राप्त की थी। उक्त ऋण के बदले में इकरारनामा व उससे संबंधित दस्तावेज तैयार कर अपने

Signature Not Verified
Digitally signed by Peeyush Samariya
Date: 2023.06.08 15:28:34 IST
Reason: SelfAttested

न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट नागौर (राज.)

जिला मजिस्ट्रेट
नागौर

हस्ताक्षर से प्रार्थी बैक के पक्ष में निष्पादित किये थे। प्रार्थी बैक द्वारा नियमानुसार ऋण वसूली के लिये आडिनेन्स की धारा 13 (2) के अन्तर्गत नोटिस जारी करना पाया जाता है।

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 में उपरोक्तानुसार रहन की गयी सम्पत्ति को प्रार्थी के कब्जे में दिलाये जाने का स्पष्ट प्रावधान है। जो इस प्रकार है:– प्रतिभूति आस्थी का कब्जा लेने में प्रतिभूति लेनदार की सहायता करने के लिये मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट जहां किसी प्रतिभूति आस्तियों का कब्जा प्रतिभूत लेनदार द्वारा लिये जाने की आवश्यकता हो, या यदि किन्ही प्रतिभूत आस्तियों का विकय या अन्तरण प्रतिभूत लेनदार द्वारा इस अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत किये जाने की आवश्यकता हो, तो प्रतिभूत लेनदार किसी प्रतिभूत आस्ति के कब्जे या नियंत्रण को लेने के प्रयोजन के लिये, लिखित में मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट को उनकी अधिकारिता के भीतर अनुरोध करेगा, ऐसी कोई प्रतिभूत आस्ति या उससे संबंधित अन्य दस्तावेज स्थित हो सकेगा या पाया जा सकेगा,उसका कब्जा लेने के लिये अनुरोध करेगा,और मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट जो स्थित हो, उसको किये गये उस अनुरोध पर –(क)उस आस्ति और उससे संबंधित दस्तावेजों का कब्जा लेगा, और (ख) प्रतिभूत लेनदार को उन आस्तियों और दस्तावेजों को भेजेगा।

धारा 14 (2) उप धारा (1) के प्रावधानों के साथ अनुपालना को सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिये, मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट उन कदमो को लेगा या लिवा सकेगा या ऐसा बल प्रयुक्त कर सकेगा जो उसकी राय मे आवश्यक हो सकेगा।

उपरोक्त प्रावधानो को दृष्टीगत रखते हुए इस संबंध मे पुलिस इमदाद उपलब्ध कराने हेतु आदेश पारित किया जाना हम उचित समझते हैं । अतः प्रार्थी का यह प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है। पुलिस अधीक्षक नागौर को निर्देश दिये जाते है कि अप्रार्थी/ऋणी द्वारा प्रार्थी बैंक के पक्ष मे बतौर प्रतिभूति अपने स्वामित्व मे **सम्पति– अल्लाबक्ष शेख की सम्पत्ति जो कि वार्ड नं. 17, व्यापारियों का मोहल्ला, मेडतासिटी राजस्थान 341510 पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन व ढांचा आदि सम्पति के अभिन्न अंग है। जिसकी चारो दिशाएं :– उत्तर में– रोड, दक्षिण में– समसुदीन का मकान, पूर्व में– अब्दुल गनी का मकान, पश्चिम में– समसुदीन का मकान,** जो प्रार्थी बैक के पास हाईपोथीकेटेड है, को प्रार्थी बैक के हक मे बंधक किया था तथा बंधक विलेख निष्पादित किया था, के संबंध मे संबधित थानाधिकारी, पुलिस थाना को निर्देशित करे कि वे उक्त संपति का कब्जा व उससे संबंधित अन्य कोई दस्तावेज अप्रार्थी के कब्जे मे हो तो उन दस्तावेजो को प्रार्थी को संभलाने हेतु मौके पर जाकर विधि सम्मत कार्यवाही करें।

आदेश सुनाया गया।

न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट नागौर (राज.)

(पीयुष समारिया)
जिला कलक्टर एंव मजिस्ट्रेट,नागौर
जिला मजिस्ट्रेट
नागौर

Signature Not Verified

Digitally signed by Peeyush Samariya
Date: 2023.06.08 15:28:34 IST
Reason: SelfAttested